①

प्रो० रणधीर कुमार सिंह
समाज शास्त्र विभाग, पटना कॉलेज
B.A. Part-I
M- 9546991571

प्रश्न: "परिवार" शब्द का विश्लेषण करते हुए परिवार के विशेष लक्षणों का वर्णन करें।

उत्तर- परिवार व्यक्ति के जीवन की एक पुरानी संस्था है तथा व्यक्ति जन्म के समय से ही इस संस्था से जुड़ा हुआ है। व्यक्ति के इस प्रथम पाठशाला के सम्बन्ध में रोमन के समाज वैज्ञानिकों का कहना है कि यह शब्द उत्पादकों, दासों और अन्य नौकरों के वर्ग को सूचित करता है जिसमें वंश परम्परा अथवा विवाह द्वारा सम्बन्धित अन्य सदस्य भी शामिल है।

मैकाईवर के अनुसार :→ "यौन सम्बन्धों से परिभाषित बच्चों को जन्म देने और पालन पोषण करने वाला निश्चित और स्थायी समूह है।"

बर्गेस और लॉक के अनुसार :→ विवाह, रक्त या गोद लेने के सम्बन्धों से परस्पर जुड़े हुए ऐसे लोगों का समूह है जो एक ही परिवार का रूप धारण करते हुए पति-पत्नि, माता पिता, पुत्र पुत्री, भाई बहन, के अपने अपने सामाजिक रूपों में एक दूसरे के साथ मिलकर परस्पर कार्य और साथ रहते हैं।"

निमकॉफ के अनुसार :→ "बच्चों सहित या बच्चों रहित पति पत्नि की अथवा पुरुष और स्त्री की एकाकी या बच्चों सहित स्थायी संस्था है।"

इलियट और मैरिल के अनुसार :→ "पति पत्नि और बच्चों के मध्य एक जैविक सामाजिक इकाई को ही परिवार का नाम दिया है।"

इन परिभाषाओं से परिवार की निम्नलिखित विशेषताओं पर प्रकाश पड़ता है :→

(A) A mating Relationship :- परिवार तब ही बनता है जब पुरुष और स्त्री के आपस में सहवास या समागम सम्बन्ध स्थापित होते हैं।

(B) A form of marriage → विवाह संस्था या बंधन से ही सहवास सम्बन्ध स्थापित होते हैं।

(C) A Common Habitation → परिवार को रहने के लिए घर या निवास स्थान चाहिए। रहने का स्थान न होने से बच्चे पैदा करने का, पालन पोषण भली भांति सम्भव नहीं हो सकता।

(D) A system of Nomenclature :→ प्रत्येक परिवार का एक विशिष्ट नाम होता है तथा वंश चलने की अपनी निजी प्रणाली होती है। वंश गणना male line or female line से हो सकती है। आम तौर पर पत्नि पति के घर जाकर उनके सम्बन्धियों के साथ रहती है।

(E) An Economic Provision :→ प्रत्येक परिवार को अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उचित अर्थ व्यवस्था की आवश्यकता होती है व परिवार का सदस्य परिवार के निर्वाह के लिए कोई विशेष व्यवसाय करके कमाता है।

इस प्रकार, परिवार पति पत्नी के यौन सम्बन्धों को स्वीकृत करने वाली एक Biological unit है। यह यौन सम्बन्ध पर आधारित है। बच्चों को जन्म देना और उनका पालन-पोषण करना, परिवार का महत्व प्र है.

समाज के छोटे या बड़े सभी संगठनों में परिवार सामाजिक रूप में सब से अधिक महत्वपूर्ण है। इसका स्वरूप परिस्थितियों के बावजूद भी स्थिर है। परिवार की विशेषताएं इस प्रकार हैं:—

(1) Universality — इसका स्वरूप प्रत्येक समाज में पाया जाता है और कुछ पशु समाज में भी इसका कुछ उदाहरण मिलता है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी परिवार का सदस्य अवश्य होता है।

(2) Emotional basis → परिवार में सभी प्रकार की भावनायें प्राप्त करती हैं। यौन सम्बन्ध की इच्छा से लेकर बच्चों की सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा इत्यादि महत्वपूर्ण है।

(3) Formative influence → यह समाज का सबसे प्राचीन संगठन है और बचपन में परिवार का प्रभाव सदा के लिए जीवन में ~~व्यक्तित्व~~ व्यक्तित्व के ढंग पर निर्धारण कर देता है।

(4) Limited size → जैविक बन्धनों के कारण परिवार का आकार सदा सीमित ही रहता है।

(5) Nuclear position in the social structure → यह सभी सामाजिक संगठनों का केन्द्र बिन्दु है। समुदाय को भी कुछ परिवारों का समूह ही कहा जाता है।

(6) Responsibility of members:→ इस समूह के सदस्यों का उत्तरदायित्व सब से ज्यादा होता है, यह दायित्व की भावना उन्हें सदा परिवार से बांधती है।

(7) Social Regulations:→ समाज के अपने कुछ नियम और विनियम हैं जो कि कानूनी न होते हुए भी प्रायः सदस्यों द्वारा मान्य होते हैं और एक समाज से दूसरे समाज में अलग अलग होते हैं। समाज में विवाह भी एक ऐसा समझौता है जिसमें दोनों पक्ष अपनी इच्छा से शामिल तो हो सकते हैं परन्तु अपनी इच्छा से तोड़ नहीं सकते।

(8) ~~[illegible]~~

परिवार इन सब विशेषताओं के साथ समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अनेक प्रकार से प्रभाव डालता है और पूर्ण सामाजिक ढांचे के गिर्द घूमता है। परिवार के रूप में अनगिनत हैं और इसके कार्य भी अनेक हैं और अनेक ढंगों से किये जाते हैं।

— X —